PRE-BOARD / X / HINDI / 2020-21

समय–3 घंटे **अधिकतम अंक–80**

निम्नलिखित निर्देशों का पालन कीजिएः

इस प्रश्न–पत्र में दो खंड हैं–खंड 'अ' और 'ब' खंड। खंड 'अ' में कुल 10 वस्तुपरक प्रश्न पूछे गए हैं। सभी प्रश्नों में उपप्रश्न दिये गए हैं। खंड 'ब' में कुल 7 वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खंड–अ वस्तुपरक प्रश्न 40

अपठित गद्यांश 10

प्रश्न.1 नीचे 2 गद्यांश दिए गए हैं। किसी 1 गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः– 1x5=5

गद्यांश–I

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर–पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश–1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

बाजार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है, पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाजार की अनेकानेक चीजों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई उस वक्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है! मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है। जादू की सवारी उतरी कि पता चलता है कि फैंसी चीजों की बहुतायत आराम में मदद नहीं देती, बल्कि खलल ही डालती है। थोड़ी देर को स्वाभिमान को जरूर सेंक मिल जाता है पर इससे अभिमान की गिल्टी की और खुराक ही मिलती है। जकड़ रेशमी डोरी की हो तो रेशम के स्पर्श के मुलायम के कारण क्या वह कम जकड़ होगी?

पर उस जादू की जकड़ से बचने का एक सीधा–सा उपाय है। वह यह कि बाजार जाओ तो खाली मन न हो। मन खाली हो, तब बाजार न जाओ। कहते हैं लू में जाना हो तो पानी पीकर जाना चाहिए। पानी भीतर हो, लू का लूपन व्यर्थ हो जाता है। मन लक्ष्य में भरा हो तो बाजार भी फैला–का–फैला ही रह जाएगा। तब वह घाव बिल्कुल नहीं दे सकेगा, बल्कि कुछ आनंद ही देगा। तब बाजार तुमसे कृतार्थ होगा, क्योंकि तुम कुछ–न–कुछ सच्चा लाभ उसे दोगे। बाजार की असली कृतार्थता है आवश्यकता के समय काम आना।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिएः

(1) पाठ्यांश में निम्नलिखित में से किस जादू की बात की गई है? 1

I. आँख के जादू की।
II. चुंबक के जादू की।
III. बाजार के जादू की।
IV. रूप के जादू की।

(2) पाठ्यांश के अनुसार किस स्थिति में जादू का असर नहीं होगा? 1

I. जेब खाली पर मन भरा न हो।
II. जेब भरी हो, और मन खाली हो।
III. मन खाली न हो।
IV. उपरोक्त सभी।

(3) अभिमान की गिल्टी की और खुराक किससे मिलती है? 1

I. रेशमी डोरी से।
II. फैंसी चीजों की बहुतायत से।
III. स्वाभिमान को सेंक मिलने से।
IV. उपरोक्त में से कोई नहीं।

(4) बाजार फैला–का–फैला कब रह जाएगा? 1

I. जब वह आकर्षक नहीं होगा।
II. जब वह फैंसी चीजों से युक्त होगा।
III. जब मन लक्ष्य में भरा होगा।
IV. जब बाजार आराम में खलल डालेगा।

(5) बाजार की असली कृतार्थता है– 1

I. आवश्यकता के समय काम आना।

II. आराम को बढ़ाना।

III. घाव बिलकुल नहीं देना।

IV. फैंसी चीजें उपलब्ध कराना।

अथवा गद्यांश–II

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर–पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश–II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

किसी भी आदर्श–समाज में इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके। ऐसे समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए। सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए। तात्पर्य यह कि दूध–पानी के मिश्रण की तरह भाईचारे का यही वास्तविक रूप है, और इसी का दूसरा नाम लोकतंत्र है। क्योंकि लोकतंत्र केवल शासन की एक पद्धति ही नहीं है, लोकतंत्र मूलतः सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान–प्रदान का नाम है। इनमें यह आवश्यक है कि अपने साथियों के प्रति श्रद्धा व सम्मान का भाव हो।

इस प्रकार स्वतंत्रता पर भी क्या कोई आपत्ति हो सकती है? गमनागमन की स्वाधीनता, जीवन तथा शारीरिक सुरक्षा की स्वाधीनता के अर्थों में शायद ही कोई 'स्वतंत्रता' का विरोध करे। इस प्रकार संपत्ति के अधिकार, जीविकोपार्जन के लिए आवश्यक औजार व सामग्री रखने के अधिकार जिससे शरीर को स्वस्थ रखा जा सके, के अर्थ में भी 'स्वतंत्रता' पर कोई आपत्ति नहीं हो सकती। तो फिर मनुष्य की शक्ति के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की भी स्वतंत्रता क्यों न प्रदान कीजाए।

जाति–प्रथा के पोषक, जीवन, शारीरिक–सुरक्षा तथा संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता को तो स्वीकार कर लेंगे, परंतु मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता देने के लिए जल्दी तैयार नहीं होंगे, क्योंकि इस प्रकार की स्वतंत्रता का अर्थ होगा अपना व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को नहीं है, तो उसका अर्थ उसे 'दासता' में जकड़कर रखना होगा, क्योंकि 'दासता' केवल कानूनी पराधीनता को ही नहीं कहा जा सकता। 'दासता' में वह स्थिति भी सम्मिलित है जिससे कुछ व्यक्तियों को दूसरे लोगों के द्वारा निर्धारित व्यवहार एवं कर्तव्यों का पालन करने के लिए विवश होना पड़ता है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिएः–

(1) पाठ्यांश के अनुसार निम्नलिखित में से आदर्श–समाज के संदर्भ में कौनसा कथन सही नहीं है– 1

I. इतनी गतिशीलता होनी चाहिए जिससे कोई भी वांछित परिवर्तन समाज के एक छोर से दूसरे तक संचारित हो सके।

II. समाज के बहुविध हितों में सबका भाग होना चाहिए तथा सबको उनकी रक्षा के प्रति सजग रहना चाहिए।

III. सामाजिक जीवन में अबाध संपर्क के अनेक साधन व अवसर उपलब्ध रहने चाहिए।

IV. समाज की स्वाभाविक प्रेरणारुचि व आत्म–शक्ति को अस्वाभाविक नियमों में जकड़ा रहना चाहिए।

(2) पाठ्यांश के आधार पर लोकतंत्र मूलतः क्या है? 1

I. एक शासन पद्धति।

II. भाईचारे का वास्तविक रूप।

III. सामूहिक जीवनचर्या की एक रीति तथा समाज के सम्मिलित अनुभवों के आदान–प्रदान का नाम।

IV. स्वतंत्रता, समता, भ्रातृता के भाव का नाम

(3) पाठ्यांश के अनुसार किस प्रकार की स्वतंत्रता पर आपत्ति व्यक्त की जाती है? 1

I. गमनागमन की स्वतंत्रता पर।

II. संपत्ति के अधिकार की स्वतंत्रता पर।

III. शारीरिक सुरक्षा की स्वतंत्रता।

IV. मनुष्य की शक्ति की सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता पर।

(4) पाठ्यांश में किन लोगों पर शब्द–प्रहार किया गया हैं? 1

I. जाति–प्रथा के पोषकों पर।

II. स्वतंत्रता प्रेमियों पर।

III. निम्न–वर्ग पर।

IV. सामाजिक परिवर्तन चाहने वालों पर।

(5) पाठ्यांश के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसी स्थिति दासता की स्थिति में सम्मिलित नहीं है– 1

I. कानूनी पराधीनता।

II. दूसरे लोगों द्वारा निर्धारित व्यवहार व कर्त्तव्यों के पालन करने की विवशता।

III. व्यवसाय चुनने की स्वतंत्रता किसी को न होना।

IV. मनुष्य के सक्षम एवं प्रभावशाली प्रयोग की स्वतंत्रता प्रदान करना।

अपठित पद्यांश 5

प्रश्न.2 नीचे 2 पद्यांश दिए गए हैं। किसी 1 पद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः– 1x5=5

पद्यांश–I

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर–पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश–1 पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

जग में सचर अचर जितने हैं सारे कर्म–निरत हैं।
धुन में एक न एक सभी को सब के निश्चित व्रत हैं।
जीवन भर आतप सह वसुधा पर छाया करता है।
तुच्छ पत्र की भी स्वकर्म में कैसी तत्परता है।
रवि जग में शोभा सरसाता सोम सुधा बरसाता।
सब हैं लगे कर्म में कोई निष्क्रिय दृष्टि न आता।
है उद्देश्य नितान्त तुच्छ तृण के भी लघु जीवन का।
उसी पूर्ति में वह करता है अंत कर्ममय तन का।।
तुम मनुष्य हो, अमित बुद्धि–बल विलसित जन्म तुम्हारा।
क्या उद्देश्य–रहित है जग में तुमने कभी विचारा?
बुरा न मानो, एक बार सोचो तुम अपने मन में।
क्या कर्त्तव्य समाप्त कर लिये तुमने निज जीवन में?
जिस पर गिर कर उदर दरी से तुमने जन्म लिया है।
जिसका खाकर अन्न सुधा–सम नीर समीर पिया है।
वह स्नेह की मूर्ति दयामयि माता–तुल्यमही है।
उसके प्रति कर्तव्य तुम्हारा क्या कुछ शेष नहीं है।।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार सबसे उचित विकल्पों का चयन कीजिएः–

(1) काव्यांश में तुच्छपत्र का कर्म क्या बताया गया है? 1

I. धुन में लगा रहना।

II. वसुधा पर छाया करना।

III. जीवन भर वर्षा सहना।

IV. अचर रहना।

(2) 'रवि जग में शोभा सरसाता,' पंक्ति में रवि शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

I. प्रकाश के लिए।

II. सोम के लिए।

III. व्यक्ति विशेष के लिए।

IV. सूर्य के लिए।

(3) काव्यांश में लघु–जीवन किसका बताया गया है? 1

I. तुच्छ पत्र का।

II. सोम का।

III. तुच्छ तृण का।

IV. तन का।

(4) 'जिस पर गिर कर उदर दरी से तुमने जन्म लिया है,' पंक्ति का प्रयोग किसके लिए हुआ है? 1

I. मनुष्य के लिए।

II. जीवन के लिए।

III. तृण के लिए।

IV. उपरोक्त सभी के लिए।

(5) 'स्नेह की मूर्ति' व 'दयामयि माता' किसके लिए प्रयुक्त हुए हैं? 1

I. माता के लिए।

II. मही के लिए।

III. मनुष्यता के लिए।

IV. छाया के लिए।

अथवा पद्यांश–II

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर–पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश–II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए।
दो बार नहीं यमराज कण्ठ धरता है,
मरता है जो, एक ही बार मरता है।
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे!
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे।।
उपशम को ही जो जाति धर्म कहती है,
शम, दम, विराग को श्रेष्ठ कर्म कहती है,
धृति को प्रहार क्षान्ति को वर्म कहती है,
अक्रोध, विनय को विजय–मर्म कहती है।
अपमान कौन, वह जिसको नहीं सहेगी?
सबको असीस, सब का बन दास रहेगी।।
उद्‌देश्य जन्म का नहीं कीर्ति या धन है,
सुख नहीं, धर्म भी नहीं, न तो दर्शन है।
विज्ञान, ज्ञान–बल नहीं, न तो चिन्तन है,
जीवन का अंतिम ध्येय स्वयं जीवन है।

निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिएः–

(1) काव्यांश में कवि ने किसके समक्ष न झुकने की बात कही है? 1

I. आन के समक्ष।
II. अन्याय के समक्ष।
III. यमराज के समक्ष।
IV. मृत्यु के समक्ष।

(2) काव्यांश के अनुसार मृत्यु के संबंध में कौनसा कथन सही है? 1

I. मृत्यु एक ही बार आती है।
II. मृत्यु का वरण स्वयं करना होता है।
III. मृत्यु दो बार कण्ठ धरती है।
IV. मृत्यु पर नियंत्रण संभव है।

(3) कवि के अनुसार किस प्रकार की जाति सबकी दास बनकर रहेगी? 1

I. जो मरण के मुख पर चरण रखेगी।
II. जो उपशम को धर्म नहीं कहती है।
III. जो अक्रोध और विनम्रता को विजय का मर्म नहीं कहती है।
IV. शम, दम, विराग को श्रेष्ठ कर्म कहती है।

(4) कवि के अनुसार जन्म का उद्‌देश्य क्या है? 1

I. कीर्ति या धन।
II. धर्म या दर्शन।
III. ज्ञान या चिंतन
IV.स्वयं जीवन।

(5) काव्यांश में निम्नलिखित में से कौनसा संदेश निहित है? 1

I. अन्याय और बुराई के समक्ष झुकना नहीं चाहिए।
II. उपशम को ही धर्म मानना चाहिए।
III. जन्म का उद्‌देश्य कीर्ति या धन होना चाहिए।
IV. विनम्रता से ही विजय संभव है।

प्रश्न.3 निम्नलिखित 5 में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिएः– 1x4=4

(1) 'जो लड़का यहाँ आया था, वह मेरा मित्र है।'– रचना के आधार पर वाक्य–भेद है? 1

I. सरल वाक्य।
II. संयुक्त वाक्य।
III. मिश्र वाक्य।
IV. साधारण वाक्य।

(2) निम्नलिखित में संयुक्त वाक्य है? 1

I. आपके लिए खिचड़ी बनी है एवं मेरे लिए चावल।
II. अध्यापक ने आज छात्रों से लेख लिखवाया।
III. हम वाक्यों का सहारा लेकर बोलते हैं।
IV. वह ऐसे चल रही थी जैसे बीमार चलता हो।

(3) 'गोपेश पुस्तकें उठाकर घर की ओर चला गया।' इस वाक्य का संयुक्त वाक्य में रूपांतरण होगा? 1

I. गोपेश ने पुस्तकें उठाईं और घर की ओर चला गया।
II. गोपेश ने पुस्तकें उठाईं तब वह घर की ओर चला गया।
III. गोपेश ने पुस्तकें उठाईं। घर की ओर चला गया।
IV. गोपेश ने पुस्तकें उठाईं तो धर की ओर चला गया।

(4) निम्नलिखित में से मिश्र वाक्य में होता है? 1

I. दो या दो से अधिक स्वतंत्र उपवाक्य जो समुच्चयबोधक अव्यय द्वारा जुड़े रहते हैं।
II. एक प्रधान उपवाक्य, अन्य आश्रित उपवाक्य।
III. एक उद्देश्य एवं एक विधेय।
IV. दो या दो से अधिक प्रधान उपवाक्य।

(5) निम्नलिखित में सरल वाक्य है? 1

I. वह दफ्तर जाकर अपने काम में लग गया।
II. वह दफ्तर गया और अपने काम में लग गया।
III. वह दफ्तर गया, अपने काम में लग गया।
IV. वह जैसे ही दफ्तर गया अपने काम में लग गया।

प्रश्न.4 निम्नलिखित 5 में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिएः–

(1) इस वाक्य का वाच्य लिखिए– 'कोविड–19 पीड़ितों की सहायता के लिए सरकार ने करोड़ों रुपये खर्च किए। 1

I. कर्तृ वाच्य।
II. कर्म वाच्य।
III. भाव वाच्य।
IV. संबंध वाच्य।

(2) 'मैं इस गरमी में सो नहीं सकता।'– वाक्य को भाववाच्य में बदलिए। 1

I. मैं इस गरमी में नहीं सोऊँगा।
II. मेरे द्वारा इस गरमी में सोया नहीं जाएगा।
III. मुझसे इस गरमी में सोया नहीं जा सकता।
IV. मैं इस गरमी में नहीं सो सकता।

(3) 'बच्चे फूलदान में फूल लगाएँगे।'– वाक्य को कर्मवाच्य में बदलिए। 1

I. बच्चों द्वारा फूलदान में फूल लगाए जाएँगे।
II. बच्चे द्वारा फूलदान में फूल लगाए जाते हैं।
III. बच्चों द्वारा फूलदान में फूल लगाए गए।
IV. बच्चों द्वारा फूलदान में फूल लगवाए जाएँगे।

(4) निम्नलिखित में से कर्तृवाच्य वाला वाक्य छाँटिए– 1

I. आज हमने व्याकरण पढ़ा।
II. हमसे इतना कष्ट नहीं सहा जाता।
III. अध्यापकों द्वारा विद्यालय में शिक्षा दी जाती है।
IV. माली के द्वारा पानी दिया जाता है।

(5) 'वे आज रात यहीं ठहरेंगे।'– वाक्य को भाव वाच्य में बदलिए। 1

I. उनसे आज रात यहीं पर ठहरा जाएगा।

II. उनसे आज रात यहीं ठहरना होगा।

III. उनसे आज रात यहीं ठहरा जाएगा।

IV. उनके द्वारा आज रात यहीं पर ठहरना होगा।

प्रश्न.5 निम्नलिखित 5 में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिएः– 1x4=4

(1) 'भारत का झंडा फहरा दिया।' रेखांकित पद का परिचय है? 1

I. क्रिया सकर्मक, स्त्रीलिंग, एकवचन, कर्तृवाच्य, वर्तमानकाल।

II. क्रिया अकर्मक, स्त्रीलिंग, बहुवचन, कर्मवाच्य, झंडा कर्म।

III. क्रिया सकर्मक, पुल्लिंग, बहुवचन, कर्तृवाच्य, झंडा कर्ता।

IV. क्रिया सकर्मक, पुल्लिंग, एकवचन, कर्मवाच्य, भूतकाल।

(2) 'बिहारी ने बिहारी–सतसई की रचना की।'–रेखांकित पद का परिचय है? 1

I. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

II. व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, संबंधकारक।

III. व्यक्तिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

IV. जातिवाचक संज्ञा, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(3) 'निर्धन व्यक्ति कठोर परिश्रम कर रहा है।'– रेखांकित पद का परिचय है? 1

I. गुणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, परिश्रम विशेष्य।

II. रीतिवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, परिश्रम विशेष्य।

III. गुणवाचक विशेषण, स्त्रीलिंग, एकवचन, व्यक्ति विशेष्य।

IV. परिमाणवाचक विशेषण, पुल्लिंग, एकवचन, परिश्रम विशेष्य।

(4) 'हम अपने देश पर मर मिटेंगे।'– रेखांकित पद का परिचय है? 1

I. सर्वनाम, उत्तम पुरूष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

II. सर्वनाम, मध्यम पुरूष, बहुवचन, स्त्रीलिंग, कर्म कारक।

III. सर्वनाम, अन्य पुरूष, बहुवचन, पुल्लिंग, कर्ता कारक।

IV. सर्वनाम, उत्तम पुरूष, एकवचन, पुल्लिंग, कर्ताकारक।

(5) 'राधा वहाँ पाँचवी कक्षा में पढ़ती थी।'– रेखांकित पद का परिचय है? 1

I. क्रियाविशेषण, रीतिवाचक, 'पढ़ती थी' क्रिया का कर्म।

II. क्रियाविशेषण, स्थानवाचक, 'पढ़ती थी' क्रिया का स्थान निर्देश।

III. विशेषण स्थानवाचक, 'पढ़ती थी' क्रिया का स्थान निर्देश।

IV. विशेषण गुणवाचक, 'पढ़ती थी' क्रिया का स्थान निर्देश।

प्रश्न.6 निम्नलिखित 5 में से किन्हीं 4 प्रश्नों के उत्तर दीजिएः– 1x4=4

(1) शोक भाव की पुरिपुष्टि होने पर किस रस की निष्पत्ति होती है? 1

I. वीर रस।

II. भयानक रस।

III. करुण रस।

IV. वीभत्स रस।

(2) 'जुगुप्सा' किस रस का स्थायी भाव है? 1

I. शांत रस।

II. श्रृंगार रस।

III. वीर रस

IV. वीभत्स रस।

(3) 'एक पल, मेरे प्रिया के दृग पलक, 1
थे उठे ऊपर, सहज नीचे गिरे।
चपलता के इस विकंपित पुलक से,
दृढ़ किया मानो प्रणय संबंध था।।'
उपर्युक्त काव्य पंक्तियों में निहित रस है?

I. श्रृंगार रस।

II. शांत रस।

III. हास्य रस।

IV. अद्भुत रस।

(4) निर्वेद नामक स्थायी भाव किस रस का आधार है? 1

I. वीभत्स रस।

II. भयानक रस।

III. शांत रस।

IV. अद्‌भुत रस।

(5) वीभत्स रस का स्थायी भाव कौनसा है? 1

I. विस्मय।

II. हास।

III. घृणा।

IV. रति।

पाठ्य–पुस्तक 14

प्रश्न.7 निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तरार्थ सबसे उचित विकल्प लिखिएः– 1x5=5

बालगोबिन भगत की संगीत–साधना का चरम–उत्कर्ष उस दिन देखा गया जिस दिन उनका बेटा मरा। इकलौता बेटा था वह! कुछ सुस्त और बोदा–सा था, किंतु इसी कारण बालगोबिन भगत उसे और भी मानते। उनकी समझ में ऐसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए, क्योंकि ये निगरानी और मुहब्बत के ज्यादा हकदार होते हैं। बड़ी साध से उसकी शादी कराई थी, पतोहू बड़ी ही सुभग और सुशील मिली थी। घर की पूरी प्रबंधिका बनकर भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त कर दिया था उसने। उनका बेटा बीमार है, इसकी खबर रखने की लोगों को कहा फुरसत! किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है। हमने सुना, बालगोबिन भगत का बेटा मर गया। कुतूहलवश उनके घर गया।

(1) बालगोबिन भगत की संगीत–साधना का चरम उत्कर्ष कब देखा गया? 1

I. जब अपने बेटे की शादी कराई।

II. गर्मियों में उमसभरी संझा के समय।

III. बेटे की मृत्यु वाले दिन।

IV. भादो की अंधेरी अधरतिया में।

(2) बालगोबिन भगत की समझ में कैसे आदमियों पर ही ज्यादा नजर रखनी चाहिए या प्यार करना चाहिए? 1

I. इकलौते बेटे पर।

II. संगीत–साधना करने वालों पर।

III. सुस्त और बोदे आदमियों पर।

IV. अपने बच्चों पर।

(3) भगत को बहुत कुछ दुनियादारी से निवृत्त किसने कर दिया था? 1

I. प्रबंधिका ने।

II. पुत्रवधू ने।

III. इकलौते बेटे ने।

IV. लेखक ने।

(4) लोगों को कौनसी खबर रखने की फुरसत नहीं थी? 1

I. पतोहू के सुभग और सुशील होने की।

II. संगीत–साधना का चरम उत्कर्ष देखने की।

III. आदमियों पर नजर रखने की।

IV. भगत के बेटे के बीमार होने की।

(5) 'किंतु मौत तो अपनी ओर सबका ध्यान खींचकर ही रहती है। पंक्ति किसके द्वारा कही गई है? 1

I. बालगोबिन भगत द्वारा।

II. आदमियों द्वारा।

III. लेखक द्वारा।

IV. पुत्रवधू द्वारा।

प्रश्न.8 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए– 1x2=2

(1) लेखक द्वारा किए गए नवाब साहब की असुविधा और संकोच के कारणों के अनुमान में से एक है? 1

I. नवाब साहब अकेले में कल्पना करना चाहते होंगे।

II. नवाब साहब नहीं चाहते होंगे कि शहर का कोई सफेदपोश उन्हे मँझले दर्जे में सफर करता देखे।

III. नवाब साहब अकेले में प्राकृतिक दृश्यों का आनंद लेना चाहते होंगे।

IV. अकेले में नयी कहानी के संबंध में सोचना चाहते होंगे।

(2) लेखक सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के अनुसार फादर कामिल बुल्के को देखना किसके जैसा अनुभव होता था? 1

I. उदास शांत संगीत को सुनने जैसा।

II. करुणा के निर्मल जल में स्नान करने जैसा।

III. कर्म के संकल्प से भरने जैसा।

IV. पारिवारिक रिश्ते में बंधने जैसा।

प्रश्न.9 निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गए प्रश्नों के उत्तरार्थ सबसे उचित विकल्प लिखिए। 1x5=5

लखन कहा हसि हमरे जाना। सुनहू देव सब धनुष समाना।।
का छति लाभु जून धनु तोरें। देखा राम नयन के भोरें।।
छुअत टूट रघुपतिहु न दोसू। मुनि बिनु काज करिअ कत रोसू।।
बोले चितै परसु की ओरा। रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।।
बालकु बोलि बधौं नहि तोही। केवल मुनि जड़ जानहि मोही।।
बाल ब्रह्मचारी अति कोही। बिस्वविदित क्षत्रियकुल द्रोही।।
भुजबल भूमि भूप बिनु कीन्ही। बिपुल बार महिदेवन्ह दीन्ही।।
सहसबाहुभुज छेदनिहारा। परसु बिलोकु महीपकुमारा।।

(1) लक्ष्मण के अनुसार शिव धनुष भंग करने में रघुपति का दोष क्यों नहीं था? 1

I. सब धनुष एक समान होने के कारण।

II. छूते ही टूट जाने के कारण।

III. सामान्य धनुष होने के कारण।

IV. पुराना धनुष होने के कारण।

(2) 'रे सठ सुनेहि सुभाउ न मोरा।' पंक्ति में 'सठ' किसके लिए प्रयुक्त किया गया? 1

I. परशुराम के लिए।

II. राम के लिए।

III. लक्ष्मण के लिए।

IV. ब्रह्मचारी के लिए।

(2) 'क्षत्रियकुल के द्रोही' के रूप में विश्व में कौन जाना जाता है? 1

I. लक्ष्मण।

II. परशुराम।

III. विश्वामित्र।

IV. दशरथ पुत्र।

(4) पद्यांश में 'महिदेवन्ह' शब्द किसके लिए प्रयुक्त हुआ है? 1

I. राम के लिए।

II. कौशिक ऋषि के लिए।

III. ब्राह्मणों के लिए।

IV. क्षत्रियों के लिए।

(5) परशुराम के विषय में निम्नलिखित में से कौनसा परिचय सही नहीं है? 1

I. बाल ब्रह्मचारी।

II. जड़ मुनि।

III. सहसबाहुभुज छेदनिहारा।

IV. क्षत्रियकुल द्रोही।

प्रश्न.10 निम्नलिखित में से निर्देशानुसार विकल्पों का चयन कीजिएः– 1x2=2

(1) 'अट नहीं रही है' शीर्षक कविता में 'अट' से क्या आशय है? 1

I. हटना।

II. समाना।

III. लदना।

IV. उड़ना।

(2) 'कन्यादान' कविता में माँ ने स्त्री जीवन के बंधन किसे कहा? 1

I. चेहरे व हाथों को।

II. आग व रोटियों को।

III. वस्त्र और आभूषणों को।

IV. शाब्दिक भ्रमों को।

खंड 'ब' वर्णनात्मक प्रश्न 40

पाठ्य–पुस्तक एवं पूरक पाठ्य–पुस्तक 20

प्रश्न.11 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए। 2x4=8

(i) जब दूसरी बार हालदार साहब कस्बे से गुजरे तो उनका कौतुक और क्यों बढ़ गया था? 2

(ii) सिद्ध कीजिए कि बालगोबिन भगत एक गृहस्थ–साधु थे? 2

(iii) 'लखनवी अंदाज' कहानी के माध्यम से लेखक क्या संदेश देना चाहता है? 2

(iv) ''फादर बुल्के संकल्प से संन्यासी थे। कभी–कभी लगता है वह मन से संन्यासी नहीं थे।'' लेखक ने ऐसा क्यों कहा? 2

प्रश्न.12 निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 से 50 शब्दों में लिखिए। 2x3=6

(i) सूरदास के पदों के आधार पर बताइए कि गोपियों ने कृष्ण के प्रति अपने अनन्य प्रेम को किस प्रकार अभिव्यकत किया। 2

(ii) 'उत्साह' कविता में कवि ने बादलों को क्या संबोधित किया। 2

(iii) ''माँ ने कहा लड़की होना पर लड़की जैसी दिखाई मत देना।'' 'कन्यादान' कविता की इस पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए। 2

प्रश्न.13 निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं 2 प्रश्नों के उत्तर लगभग 50 से 60 शब्दों में लिखिएः– 3x2=6

(i) भोलानाथ की माता उसे खाना किस प्रकार खिलाती थी? 3

(ii) 'जॉर्ज पंचम की नाक' पाठ में निहित व्यंग्य को स्पष्ट कीजिए? 3

(iii) ''चाहे मैदान हो या पहाड़, तमाम वैज्ञानिक प्रगतियों के बावजूद इस देश की आत्मा एक जैसी है।'' 'साना–साना हाथ जोड़ि .....' पाठ में लिखिका ने ऐसा क्यों कहा? स्पष्ट कीजिए। 3

लेखन 20

प्रश्न.14 निम्नलिखित में से किसी 1 विषय पर दिए गए संकेत–बिन्दुओं के आधार पर लगभग 80–100 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखिए। 5

1. कोविड–19
   - कोविड–19 का संक्रमण।
   - बचाव के उपाय।
   - सरकार द्वारा उठाए गए कदम।
2. ग्लोबल वार्मिंग
   - ग्लोबल वार्मिंग क्या है?
   - कारण व प्रभाव।
   - नियंत्रण के उपाय।
3. नर हो न निराश करो मन को
   - आत्मविश्वास और सफलता।
   - सकारात्मक सोच।
   - महापुरुषों की सफलता।

प्रश्न.15 आपके पिताजी का स्थानान्तरण जोधपुर हो गया है, आपको भी उनके साथ वहाँ जाकर अध्ययन करना है। अतः स्वयं को मॉडर्न स्कूल, नई दिल्ली का छात्र प्रखर गुप्ता मानते हुए विद्यालय के प्रधानाचार्य को एक प्रार्थना–पत्र लिखिए जिसमें स्थानान्तरण प्रमाण–पत्र प्रदान करने की प्रार्थना की गई हो। 5

अथवा

स्वयं को शिखा, विद्युत नगर, कोटा की निवासिनी मानते हुए दिल्ली में अध्ययनरत अपनी छोटी बहिन के अस्वस्थ रहने के कारण उसे उचित चिकित्सा व उपचार लेने के साथ ही नियमित व्यायाम करने की सलाह देने हेतु 80–100 शब्दों में एक पत्र लिखिए।

प्रश्न.16 जवाहर कला केन्द्र की कलादीर्घा में कुछ चित्र (पेंटिंग्स) ब्रिकी के लिए उपलब्ध हैं। इसके लिए एक विज्ञापन लगभग 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए। 5

अथवा

अपने पुराने मकान को बेचने संबंधी विज्ञापन लगभग 25–50 शब्दों में तैयार कीजिए।

प्रश्न.17 राष्ट्रीय–पर्व गणतंत्र दिवस के अवसर पर राजस्थान प्रदेश वासियों के लिए मुख्यमंत्री की ओर से एक शुभकामना संदेश लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए। 5

अथवा

अपने रिश्तेदार को कोविड–19 से सुरक्षित रहने से संबंधित एक संदेश लगभग 30–40 शब्दों में लिखिए।